



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 1811]

नई दिल्ली, बुधवार, जून 28, 2017/आषाढ़ 7, 1939

No. 1811]

NEW DELHI, WEDNESDAY, JUNE 28, 2017/ASADHA 7, 1939

गृह मंत्रालय

(आन्तरिक सुरक्षा-I प्रभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 जून, 2017

का. आ. 2033(अ).—जबकि, केन्द्रीय सरकार ने, राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण अधिनियम, 2008 (2008 का 34) (जिसे इसके बाद उक्त अधिनियम के रूप में संदर्भित किया गया है) की धारा 11 की उप-धारा (6) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग-II, खण्ड-3, उप-खण्ड (ii) में प्रकाशित दिनांक 31 दिसम्बर, 2012 की अधिसूचना संख्या का. आ. 78(अ) के तहत XLIX अपर सिटी सिविल एवं सत्र न्यायाधीश, बेंगलुरु सिटी को उक्त अधिनियम की धारा 11 के उप-खण्ड (1) के अंतर्गत अनुसूचित अपराध के विचारण हेतु विशेष न्यायालय के तौर पर नियुक्त किया था जिसका क्षेत्राधिकार संपूर्ण कर्नाटक राज्य था;

और जबकि, श्री महावरकार गुलजारलाल, LI अपर सिटी सिविल एवं सत्र न्यायाधीश, बेंगलुरु सिटी जिन्हें भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग-II खण्ड-3, उप-खण्ड (ii) में प्रकाशित दिनांक 2 फरवरी, 2017 की अधिसूचना सं. का. आ. 339(अ) (जिसे दिनांक 1 मई, 2017 की अधिसूचना सं. का. आ. 1371(अ) के तहत आंशिक संशोधन किया गया था) के तहत उक्त न्यायालय की अध्यक्षता हेतु न्यायाधीश के तौर पर नियुक्त किया गया था, का स्थानांतरण हो गया है;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा-11 की उप-धारा (3) के अंतर्गत प्रदत्त की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा दिनांक 2 फरवरी, 2017 की अधिसूचना संख्या का. आ. 339(अ) एवं दिनांक 1 मई, 2017 के का. आ. 1371(अ) का अधिक्रमण करते हुए, सिवाय उन कार्यों के जिन्हें ऐसे अधिक्रमण के पूर्व सम्पादित कर लिया गया था अथवा करने से लोप कर दिया गया था, बेंगलुरु, कर्नाटक उच्च न्यायालय के माननीय

मुख्य न्यायाधीश की सिफारिश पर श्री सिद्धालिंगा प्रभु, XLIV अपर सिटी एवं सत्र न्यायाधीश, बेंगलुरु सिटी को एतद्वारा, उक्त विशेष न्यायालय की अध्यक्षता हेतु न्यायाधीश के तौर पर नियुक्त करती है।

[फा. सं. 17011/50/2009-आईएस-IV]

सुधीर कुमार सक्सेना, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(INTERNAL SECURITY-I DIVISION)

NOTIFICATION

New Delhi, the 28th June, 2017

S.O. 2033(E).—Whereas in exercise of the powers conferred by sub-section (6) of section 11 of the National Investigation Agency Act, 2008 (34 of 2008) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government had, vide notification number S.O. 78(E), dated the 31st December, 2012, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (ii), notified the Court of XLIX Additional City Civil & Sessions Judge, Bengaluru City as the Special Court for the purpose of sub-section (1) of section 11 of the said Act having jurisdiction throughout the State of Karnataka for the trial of Scheduled Offences;

And whereas, Shri Mahavarkar Gulzarlal, LI Additional City Civil and Sessions Judge, Bengaluru City, who was appointed as Judge to preside over the said Special Court vide notification number S.O. 339(E), dated the 2nd February, 2017 (which was slightly amended vide notification number S.O. 1371(E), dated the 1st May, 2017), published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (ii), has been transferred;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (3) of Section 11 of the said Act and in supersession of the notifications number S.O. 339(E), dated the 2nd February, 2017 and S.O. 1371(E), dated the 1st May, 2017 and except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the Central Government, on the recommendation of the Hon'ble Chief Justice of the High Court of Karnataka, Bengaluru City, hereby appoints Sri Siddalinga Prabhu, XLIV Additional City Civil and Sessions Judge, Bengaluru City as the Judge to preside over the said Special Court.

[F. No. 17011/50/2009-IS-IV]

SUDHIR KUMAR SAXENA, Jt. Secy.